# पाठ 2. नमक की मिठास

## पाठ की भूमिका

इस पाठ का उद्देश्य बच्चों में समस्या के समाधान की क्षमता संबंधी कौशल विकसित करना है ताकि वे जीवन में आने वाली समस्याओं के समाधान से सकारात्मक रूप से निपटने की क्षमता विकसित कर सकें। रिश्तों में चाटुकारिता को जगह मिलना, रिश्तों को खोखला बनाता है। व्यक्ति के मन में सच्चाई हो तो उसके भीतर के विचार और प्रकट होने वाली वाणी में भी मिलावट का हो पाना असंभव होता है। राजा और उसकी सत्यवादिनी सुपुत्री के बीच 'नमक की मिठास' ने यही संवेदना पिरोने और अनुभव जगाने की कोशिश की है।

## पाठ का सार

एक राजा था, उसकी तीन बेटियाँ थीं। राजा ने अपनी तीनों बेटियों से बारी-बारी पूछा कि वे उससे यानी अपने पिता से कितना प्यार करती हैं।

बड़ी बेटी ने अपने प्यार को आकाश जितना विस्तृत और सोने जितना शुद्ध बताया। दूसरी बेटी ने पिता के प्रति अपने प्यार को समुद्र की भाँति असीम और जवाहरातों की भाँति मूल्यवान बताया। तीसरी बेटी ने अपने प्यार को इतना बताया जितना भोजन में नमक होता है। राजा नाराज़ हुआ। मारे गुस्से के उसने अपनी छोटी बेटी का विवाह एक भिखारीनुमा युवक से कर दिया। लेकिन राजकुमारी और उस नवयुवक ने अपनी लगन, विवेक और मेहनत से जीवन को संपन्न बनाया।

राजकुमारी ने एक दिन राजा को भोजन पर बुलाकर बड़े नाटकीय ढंग से नमक का महत्व समझाया। राजा ने सब कुछ जाना और अपने अपराध को माना। फिर राजा ने उसको अपना राज्य सौंप दिया। अब सब खुशी-खुशी रहने लगे।

## अध्यापन संकेत

- **मूल पाठ के लिए संकेत**

  कहानी को एक बार स्वयं पढ़-समझकर फिर बच्चों के बीच रखें। पाठ के बारे में संक्षिप्त परिचय दें जिससे कहानी के प्रति जिज्ञासा बढ़े। इसके बाद आदर्श व अनुकरण वाचन की दिशा में बढ़ा जाए। बच्चों द्वारा कहानी पठन-वाचन के समय उनके उच्चारण दोषों को समझाते हुए तनिक बाद में उन शब्दों का पुनः वाचन सही रूप में प्रसंगवश करें। शब्दार्थ बीच-बीच में बताए-लिखवाए जा सकते हैं। कहानी पूरी होने पर इसके प्रेरणात्मक पक्ष की विशेष चर्चा की जानी चाहिए।

- **अभ्यास प्रश्नों के लिए संकेत**
  - **मौखिक प्रश्नों, पहेलियों, पठित परिच्छेद** व **पाठ आधारित प्रश्नों** के अध्यापन संकेत हेतु **पृष्ठ संख्या 3** देखें।
  - **भाषा आधारित प्रश्नों** का उद्देश्य व्याकरण एवं रचना पक्ष को सुदृढ़ करना है।
  - संज्ञाओं की पहचान के लिए कुछ वाक्य कहानी में से लेकर उनमें से संज्ञाएँ पहचानने को कहा जा सकता है।
  - वाक्यांशों के लिए एक शब्द के उपयोग की महत्ता पर बल दें।
  - कहानी के अंदर ही ऐसे शब्द ढूँढ़े जा सकते हैं जिनके विलोम शब्द भी कहानी में या हमारे आसपास सहज रूप में उपस्थित हों।

## क्रियाकलाप के लिए संकेत

- कहानी को नाटक के रूप में रूपांतरित करवाने के लिए कुछ संवाद श्यामपट्ट पर सामूहिक रूप से लिखे या लिखवाए जा सकते हैं। किसी एक अंश की प्रस्तुति अभिनय के साथ कक्षा में करवाई जा सकती है। बच्चों को विज्ञान की पुस्तकों में से नमक के वैज्ञानिक महत्व के बारे में पढ़ने के लिए प्रेरित किया जा सकता है।